

आधुनिक भारत के निर्माता



V2wMGG

152K4

120279

गोपाल कृष्ण गोखले

व्यं० २० देवगिरीकर

गोपाल कृष्ण गोखले

क्रम

अध्याय	पृष्ठ
1. पृष्ठभूमि	1
2. विकास की वेला	8
3. भावी संघर्ष की ओर	18
4. फर्गुसन कालेज के निर्माता के रूप में	31
5. राजनीति की दीक्षा	40
6. सार्वजनिक कार्यकलाप	52
7. पहली महत्वपूर्ण सफलता	59
8. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में	76
9. एक नैतिक धर्म-संकट	83
10. बम्बई विधान परिषद में	103
11. इम्पीरियल लेजिस्लेटिव कौंसिल में	113
12. शिक्षा के क्षेत्र में	134
13. सर्वेंट्स आफ इण्डिया सोसाइटी	147
14. कांग्रेस के मन्त्री-पद से अध्यक्ष-पद तक	155
15. कलकत्ता और सूरत	164
16. मार्ले मिन्टो सुधारों की कहानी	180
17. सूरत के बाद	193
18. गोखले, गांधी जी और दक्षिण अफ्रीका	201
19. अन्तिम अवस्थान	223
20. अन्तिम दिन	243
21. कुछ संस्मरण	248
22. गोखले के जीवन की महत्वपूर्ण तारीखें	265
23. परिशिष्ट 1 से 6	269-296

सार्वजनिक जीवन का आध्यात्मीकरण अनिवार्य है। हृदय स्वदेशानुराग से इतना ओतप्रोत हो जाना चाहिए कि उसकी तुलना में और सभी कुछ तुच्छ जान पड़ने लगे।

गोपाल कृष्ण गोखले